B. Com I (H)

Dr. Sunil Kumar
Deptt. of Com.
S.M.S.M. College, Saharsa

Q. अंकेक्षण कार्यक्रम उपयोगी होने के लिए उसे लचीला होना चाहिए" विवेचना करें।

अथवा

अंकेक्षण कार्यक्रम क्या है? इसके गुण एवं दोषों का वर्णन करें।

Ans → इस प्रश्न का उत्तर देते समय हमें यह स्पष्ट करना चाहिए कि अंकेक्षण कार्यक्रम क्या है। इसके गुण दोष क्या है। इसे उपयोगी होने के लिए लचीला होना आवश्यक है। किसी भी कार्य को सही ढंग से सम्पन्न करने के लिए एक Planning के तहत कार्य करना होता है। इसी Planning को अंकेक्षण कार्यक्रम कहते हैं। अंकेक्षण कार्यक्रम एक विस्तृत एवं लिखित योजना होती है जिसके आधार पर अंकेक्षण कार्य होते हैं। यह एक प्रकार की सूची होती है जो कि अंकेक्षक द्वारा किए जाने वाले कार्य को दर्शाती है।

अंकेक्षण कार्यक्रम के अन्तर्गत इस प्रश्न पर अधिक बल दिया जाता है कि कितना कार्य किया जाना है। यह कार्य किसके द्वारा किया जाना है। कितने समय में सम्पन्न किया जाना है।

अंकेक्षण कार्यक्रम नियोक्ता के लेखों का अंकेक्षण सुचारु रूप से करने तथा इसे निर्धारित अवधि में समाप्त करने तथा कार्य में एकरूपता लाने के लिए अंकेक्षक द्वारा बनाई गई लिखित योजना है। अंकेक्षण कार्यक्रम तैयार कर लेने से सम्पूर्ण अंकेक्षण कार्य सरल हो जाता है।

इससे सामान्यतः निम्नलिखित लाभ प्राप्त होते हैं:—

(1) कार्य की प्रगति का ज्ञान → अंकेक्षण

सम्बन्धित कर्मचारी को उत्तरदायी ठहरा सकता है क्योंकि अंकेक्षण कार्यक्रम पर उनके हस्ताक्षर रहते हैं।

(9) अंकेक्षण कार्यक्रम होने से यह भी स्पष्ट हो जाता है कि कितना कार्य कितना क्लर्क कब करेंगे।

अंकेक्षण कार्यक्रम के अनेकों लाभ हैं लेकिन इसका अर्थ यह नहीं होता है कि ये दोषरहित हैं। इनके दोष या हानि निम्नलिखित हैं:—

(1) कार्य का यंत्रवत होना → अंकेक्षण कार्यक्रम से कार्य यन्त्रवत हो जाता है। क्योंकि इनके निर्देशों के अनुसार कार्य करना पड़ता है। जिससे कार्य में नीरसता आ जाती है।

(2) कुशल कर्मचारियों में उत्साह की कमी → किसी स्थायी निर्देश के अनुसार कार्य करने से कुशल कर्मचारियों को अपनी बौद्धिक प्रखरता का परिचय देने का सुअवसर प्राप्त नहीं होता है जिस कारण उत्साह में कमी आ जाती है।

(3) समस्त बातों का समावेश सम्भव नहीं:— अंकेक्षण कार्यक्रम कितनी ही सावधानी से क्यों न किया जाए अंकेक्षण के दौरान उत्पन्न होनेवाली प्रत्येक बात का समावेश नहीं किया जा सकता है।

(5) प्रत्येक व्यवसाय के लिए एक ही प्रकार का कार्यक्रम लाभदायक नहीं है।

Anil Kumar
08/0?/2020

Ajanta Milky

[illegible]

(2) कर्मचारियों के गैरज़िम्मेदार कार्य का निर्धारण → अंकेक्षण कार्यक्रम द्वारा अंकेक्षक यह पता लगा सकता है कि अंकेक्षकों को कार्य सौंपा जाता है या नहीं। अलग व्यक्तियों को कार्य सौंपे जाने से कार्य सही ढंग से सम्पन्न होता है।

(3) अंकेक्षण कार्य से किसी भी कार्य के छूट जाने का भय नहीं रहता है।

(4) समय की बचत :— अंकेक्षण कार्यक्रम तैयार रहने से समय की बचत होती है। किसी भी विषय पर विचार करने में समय की बर्बादी नहीं होती है।

(5) पुनः निरीक्षण की सुविधा → अंकेक्षण कार्यक्रम पूर्व निर्धारित होने से फलस्वरूप कर्मचारी द्वारा किए गए कार्य का पुनः निरीक्षण किया जा सकता है।

(6) न्यायालय में साक्षी → यदि अंकेक्षक के विरुद्ध कार्य के अपूर्ण रहने का दावा पेश किया जाता है तो यह साक्ष्य के रूप में भी काम आता है।

(7) अवस्था में सहायक → अंकेक्षण कार्यक्रम के आधार पर प्रधान अंकेक्षक को कार्य व्यवस्थित करने में सहायता मिलती है।

(8) कर्मचारियों के उत्तरदायित्व का निर्धारण:— भविष्य में अशुद्धियों या कपट का पता लगाने पर अंकेक्षक